

>

Title: Need to ensure safety of Indian students following alleged rape and murder of a girl of Indian origin in USA.

श्रीहनुमानबेनीवाल : अध्यक्ष महोदय, आज मेरे ऊपर आपकी बड़ी कृपा है। मैं आपको धन्यवाद दूंगा कि जीरो आवर के अंदर जिनकी लॉटर खुली है, उनको बोलने का अवसर दिया।

महोदय, मैं विदेशों में पढ़ रहे हमारे देश के विभिन्न राज्यों के छात्रों की सुरक्षा सुनिश्चित करने हेतु एक महत्वपूर्ण विषय पर सरकार और विदेश मंत्री का लोकसभामें एक सवाल के अनुसार देश के 6 लाख से भी अधिक छात्र-छात्राएं विभिन्न देशों में पढ़ रहे हैं। हाल ही में तीन दिन पहले अमेरिका के शिकागो में हैदराबाद की रूथ जॉर्ज नामक 19 वर्षीय छात्रा की वहां के इलीनोयस यूनिवर्सिटी कैम्पस में बलात्कार के बाद हत्या कर दी गई। जुलाई 2018 में अमेरिका के कंसास शहर में 25 वर्षीय भारतीय छात्र शरत कप्पू की हत्या का मामला आया था। इसी शहर में वर्ष 2017 में भारतीय मूल के श्रीनिवास कुचीबोतला की हत्या कर दी गई।

महोदय, चाहे डेनमार्क में गुजरात के मेहसाणा के दो युवकों की हत्या का मामला हो, चाहे वर्ष 2008-09 और उसके बाद कई बार आस्ट्रेलिया में हिन्दुस्तान के छात्रों पर हुए हमलों का मामला हो, हम कई बार अखबारों में भारतीय छात्रों पर हमले और उनके साथ नस्लीय भेदभाव जैसे घटनाओं का जिक्र भी सुनते हैं। हमारे प्रधानमंत्री जी ने जब वर्ष 2014 में सत्ता संभाली, निश्चित रूप से भारतीय छात्रों का मानव विश्व के अंदर बढ़ा है।

महोदय, मैं आपके माध्यम से कहना चाहता हूँ कि हमारे प्रधानमंत्री जी द्वारा सत्ता संभालने के बाद विदेशों में भारतीय प्रवासी छात्रों की इज्जत बढ़ी है। अभी मैंने जिस प्रकार की घटनाओं का जिक्र किया, उनसे देश के लोगों का मन आहत होता है। आज हमारे बीच सुषमा स्वराज जी नहीं हैं। देश के जो लोग खाड़ी के देशों में थे, उन्होंने सजगता से उन्हें देश में लाने का काम किया। विदेशों में भारतीय छात्रों पर जो क्राइम होता था, इस सरकार ने हिन्दुस्तान के छात्र-छात्राओं की हमेशा ही मदद की है। ... (व्यवधान)

महोदय, मैं एक मिनट में अपनी बात समाप्त कर दूंगा। मैं विदेश मंत्री जी से अनुरोध करूंगा कि जो छात्र विदेशों में पढ़ रहे हैं, तत्काल उनकी सुरक्षा के से सुनिश्चित हो, इसके लिए संबंधित दूतावासों को पुख्ता पाबंद करने के लिए निर्देश जारी किया जाए और सुरक्षा का एक ड्राफ्ट संबंधित देशों को भेजा जाए। मेरी मूल भावना इस मुद्दे को सदन में रखने के लिए यही है कि हमारे देश के जो छात्र विदेशों में पढ़ते हैं, उनकी सुरक्षा के से सुनिश्चित की जाए। उनके लिए देश की सरकार को महत्वपूर्ण कदम उठाने की जरूरत है, क्योंकि सरकार द्वारा कदम उठाने से ही विदेशों में पढ़ रहे देश के छात्र-छात्राओं का मनोबल बढ़ेगा।

महोदय, हमारे यहां जिस तरह से विदेशी छात्र-छात्राओं का सम्मान होता है। उनके लिए आई.पी.सी. के अंदर अलग से प्रावधान भी है। अगर उनके साथ बर्दाश होती है, तो उसके लिए अलग धाराएं लगती हैं। उसी तरह से बाहर पढ़ने वाले हमारे देश के छात्र-छात्राओं की सुरक्षा के से हो, इस बारे में मोदी जी गंभीर हैं। मैं विदेश मंत्री जी से भी अनुरोध करूंगा कि हमारे देश के छात्र-छात्राएं वर्ल्ड के अंदर सुरक्षित रहें, इस मामले में देश की सरकार ठोस दिशा-निर्देश जारी करें। धन्यवाद।

माननीय अध्यक्ष : श्रीकुलदीपराय शर्मा को श्रीहनुमानबेनीवाल द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।